श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल, राजस्थान का उद्‌बोधन

द ग्रेट मोंक स्वामी विवेकानन्द के शीर्षक गीत का शुभारंभ समारोह

दिनांक 14 फरवरी, 2020 समय दोपहर 12.20 बजे

स्थान – कृष्णा स्टुडियो 22, शिवम चेम्बर्स, सहारा स्टुडियो के नजदीक,
मारूति स्पेक्ट्रा शोरूम के पीछे एस.वी रोड गोरेगांव पश्चिम मुंबई – 400063

सर्वप्रथम आप सभी का हार्दिक अभिनंदन।

आप सब बहुत विशेष हैं जो आज वेलेंटाइंड डे के दिन अपना विशेष समय स्वामी विवेकानंद और भारतीय संस्कृति की सेवा में समर्पित कर रहे हैं।

स्वामी जी का नाम सुनकर उत्साह, श्रद्धा और गर्व से भर जाते हैं जिनका रोम–रोम आंदोलित हो जाता है। श्री हरीओम फिल्म्स का यह कदम सराहनीय है कि उन्होने स्वामी जी के जीवन पर धारावाहिक बनाने का साहस किया। एक महान विभूति जिनके जीवन पर लोग शोध कर रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि इस से पहले उनके जीवन पर कभी कोई धारावाहिक बनाने का प्रयास ना किया गया हो पर उनके जीवन को धारावाहिक में समेटना इतना आसान नहीं है।

विवेकानन्दजी के जीवन पर अनेकों पुस्तकें है। जिनके करोड़ों अनुयायी है, ऐसे व्यक्तित्व को जनता के सामने प्रस्तुत करने से पहले बहुत अध्ययन और खोज की आवश्यकता है। मुझे बहुत हर्ष हुआ कि डॉ. एच आर नागेन्द्रा जी के सानिध्य में कृष्णा ने इस विषय को चुना। इस गंभीर विषय पर, स्वामी जी के जीवन पर गहनता से अध्ययन किया।

उसी का नतीजा है कि अब इस में जाने माने प्रोड्यूसर कमल–मुकुट भी जुड़ चुके हैं। और आज कुछ ही देर पहले हम कृष्णा स्टूडियो में इसके शीर्षक गीत का शुभारंभ भी कर चुके हैं।

एक अमेरिकन महिला ने स्वामी जी के ओज और व्यक्तित्व से प्रभावित होकर उनसे विवाह करने का प्रस्ताव रखा। स्वामी जी गौर से उस महिला को देखते रहे और फिर सहसा उस से पूछा कि आप मुझसे विवाह क्यों करना चाहते हैं ?

महिला को लगा कि बात कुछ बन रही है तो उसने कहा कि मैं आपके जैसा एक तेजस्वी पुत्र प्राप्त करना चाहती हूँ। इस पर स्वामी जी ने कहा कि "अरे देवी क्यों झंझट में पड़ती हो, मेरे जैसे पुत्र की छोड़ो तुम मुझे ही अपना पुत्र मान लो।

ऐसे अद्भुत थे स्वामी जी ऐसे महा मुनि स्वामी विवेकानंद जी की जय और उनके गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस जी की जय जय कार।

उम्मीद है कि जिस तरह एक समय में रामायण और महाभारत के लिए भीड़ जुट जाया करती थी ऐसा ही कुछ इस विषय को लेकर भी होने वाला है।

और आज के इस दौर में लोगों तक पहुंचाना आसान हो गया है यह बहुत अच्छी बात है एक समय था जब चेनल एक था पर मनोरंजन बहुत था।

पूरा गाँव एक साथ बैठ कर टी वी देखा करता था। रामायण, महाभारत, चित्रहार ..... और आज सैंकड़ों चेनल्स है पर आदमी पूरी दृपूरी रात हाथ में रिमोट लेकर एंटरटेनमेंट ढूंढते रहते हैं। खैर इसके बहुत से लाभ भी हैं और इसी संचार क्रान्ति में यहाँ भी एक पहल की जा रही है मंत्रा एड वर्ल्ड द्वारा और वह है मंत्रा ओ०टी०टी डिजिटल प्लेटफॉर्म।

आज पूरा भारत डिजिटल इंडिया बन चुका है। हर आदमी अपनी जेब में मनोरंजन और सूचनाओं और संचार साधनों का अंबार लिए घूम रहा है ऐसे दौर में डिजिटल प्लेटफॉर्म मंत्रा ओ०टी०टी०की सथापना एक सराहनीय कदम है पर मैं विशेष रूप से कहना चाहूँगा कि इस प्लेटफॉर्म को सिर्फ तुच्छ मनोरंजन का साधन न बनने दें बल्कि यह प्लेटफॉर्म समाज के लिए कल्याणकारी सिद्ध होना चाहिए ऐसी कामना है और मुझे प्रसन्नता हुई ये जानकर कि इस

प्लेटफॉर्म का लक्ष्य भारत की पुरातन संस्कृति को, गरिमामाई इतिहास को जन जन तक पहुंचाना है।

मुझे पता है कि बहुत सी चुनौतियाँ आएंगी पर विश्वास भी है कि कृष्णा मिश्रा उनका अच्छे से सामना कर लेंगे। आप सब लोग अपने लक्ष्यों में सफल होकर समाज कल्याण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा पाएँ ऐसी मंगल कामना के साथ धन्यवाद। जय हिन्द।